नईदुनिया

तीन साल बाद इंफोर्मेशन टेक्नोलॉजी और कम्प्यूटर साइंस में बढ़े पैकेज

प्लेसमेंट पैकेज बढ़ने से सीईटी में बढ़ेगी स्टूडेंट्स की संख्या

इंदौर। नईदुनिया रिपोर्टर

तीन साल बाद इंफोर्मेशन टेक्नोलॉजी (आईटी) और कम्प्यूटर साइंस (सीएस) ब्रांच के इंजीनियरिंग करने वाले स्टूडेंट्स को जॉब के अच्छे मौके मिलने लगे हैं। पहली बार देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी के इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (आईईटी) के स्टूडेंट को अधिकतम 19 लाख वार्षिक का पैकेज ऑफर हुआ है।

यूनिवर्सिटी के इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (आईएमएस) के स्टूडेंट को भी 13 लाख तक के पैकेज मिले हैं। इंजीनियरिंग क्षेत्र में अचानक बढ़े पैकेज के बाद जो स्टूडेंट्स आईटी और सीएस से दूरी बना रहे थे, फिर से उनकी संख्या में इजाफा हो सकता है। आईएमएस में प्रवेश लेने के लिए कॉमन एडमिशन टेस्ट (सीईटी) में भी इस बार प्रतिभागियों की संख्या में इजाफा होना निश्चित माना जा रहा है।

चार कोर्स पर रहेगा फोकस

कई सालों से शहर में इंजीनियरिंग और मैनेजमेंट कोर्सेस में जॉब प्लेसमेंट के लिए कंपनियां की संख्या कम हो रही थी। पैकेज में भी कई सालों में बढ़ोतरी नहीं देखी जा रही थी, लेकिन जिस तरह से कंपनियों ने इस बार रिस्पांस दिखाया है, उससे उम्मीद जताई जा रही है कि अगले सालों में भी में कंपनियां शहर के ज्यादा स्टूडेंट्स को मौका दे सकती हैं। यूनिवर्सिटी के चार कोर्सेस में प्रवेश लेने के लिए इस बार स्टूडेंट्स की संख्या में इजाफा हो सकता है।

एमबीए करने वालों का ध्यान आईएमएस के मार्केटिंग और फाइनेंस ब्रांच पर रहेगा। सीईटी देने वाले ज्यादातर स्टूडेंट्स की इच्छा होती है कि इन दो कोर्स में प्रवेश मिल जाए। इसी तरह आईईटी के मार्केटिंग और फाइनेंस में डिमांड रहेगी।

सीईटी में इस बार 20 हजार स्टूडेंट्स ले सकते हैं भाग

यूनिवर्सिटी के आईईटी संस्थान के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट अधिकारी डॉ. गोविंद माहेश्वरी का कहना है कि इस बार ज्यादा कंपनियों ने कैम्पस में आने की बात कही थी। इंटरव्यू में कई स्टूडेंट्स को शॉर्टलिस्ट किया गया और फिर फाइनल लिस्ट में अच्छे पैकेज के साथ कई स्टूडेंट्स को ऑफर लेटर दिया गया है। कंपनियों से हुई बातचीत से उम्मीद जगी है कि अगले सालों में भी स्टूडेंट्स को अच्छे पैकेज पर रखा जा सकता है।

आईएमएस के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट अधिकारी अवनीश व्यास का कहना है ई-कॉमर्स क्षेत्र में विस्तार होने से मार्केटिंग, फाइनेंस और सभी ब्रांच के स्टूडेंट्स की डिमांड में अंतर आ रहा है। सीईटी में इस बार 20 हजार से ज्यादा स्टूडेंट्स देशभर से शामिल होने की उम्मीद है।

कई युवाओं के रोजगार बढ़ाने में मदद कर रहीं अमेरिका की पूर्वा

इंदौर। नईदुनिया रिपोर्टर

देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी से 2002 में पासआउट डॉ. पूर्वा धारकर इन दिनों शहर आई हुई हैं। एसोसिएशन ऑफ वूमन इन साइंस के बेथेसडा (अमेरिका) के चैप्टर की अध्यक्ष धारकर ने न्यूरोविज्ञान और कैंसर के क्षेत्र में कई शोधकार्य किए हैं। इन्होंने भारत सरकार की स्कॉलरशिप पर नेशनल केमिकल लेबोरेटरी पुणे से पीएचडी की है। डॉ. पूर्वा ने नईदुनिया को खास बातचीत में बताया कि थ्री डी इमेज से बेसिक कैंसर होने के कारण खोजे गए हैं। प्रोटीन के साथ

ऐसे कौन से तत्व जुड़ते हैं, जिससे बीमारियां होती हैं इसका पता लगाया जा रहा है। शरीर में इंफेक्शन क्यों होते हैं इसके कारण भी ढूंढ लिए गए हैं। रिसर्च के आधार पर विभिन्न एजेंसियां इसका मैकेनिजम बनाने पर काम कर रही हैं।

वूमन एम्पॉवरमेंट पर कर रही हैं काम

डॉ. पूर्वा ने अमेरिका से ही एमबीए किया है। वे युवाओं के रोजगार बढ़ाने पर काम कर रही है। वूमन एम्पॉवरमेंट को बढ़ावा देने के लिए पूर्वा भारत आती रहती हैं। उन्होंने बताया कि स्टार्टअप और ग्लोबल बिजनेस को कंसलटेंट के द्वारा लोगों के कामों को बेहतर पोजिशन देने की कोशिश में हूं। डॉ. पूर्वा को आईआईटी इंदौर और होलकर साइंस कॉलेज ने युवाओं के मार्गदर्शन के लिए आमंत्रित किया है।